No. of Printed Pages : 6

MBG–003

M. A. (BHAGWADGITA STUDIES)

(MABGS)

Term-End Examination

June, 2025

MBG-003 : KARM SANYASA-ATMASANYAM EVAM GYANVIGYAN

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

***Note** : (i) This question paper is in two Sections. Both Sections are compulsory.*

(ii) Attempt questions from both Sections as per instructions given.

Section—A

***Note** : Answer any **four** of the following questions.* *4×15=60*

1. Explain the meaning of Karmasamnyāsa.

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

2. Describe the concept of Ekātmamānavavāda in the Gītā.
3. Describe Worldly Conduct and Knowledge.
4. Outline the principles of Repetition and Detachment in Life.
5. Describe the Succession of Yoga.
6. Define Mental Health.
7. Describe 'Personality' according to the Gītā.

Section—B

***Note** : Answer any **four** of the following questions.* *4×10=40*

1. Describe the Life in Motion according to the Gītā.
2. Mention the means for controlling the Mind.
3. Explain the meaning of the Self-Control.

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

4. Explain the defining elements of Personality.

5. Describe Discipline on the basis of the Gītā.

6. Write about the role of the Gītā in the Management of Mental Health.

7. Explain the following :

   ज्ञेयः स नित्यसंन्यासी यो न द्वेष्टि न कांक्षति।

   निर्द्वन्द्वो हि महाबाहो! सुखं बन्धात्प्रमुच्यते॥

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

MBG–003

एम. ए. (भगवद्गीता अध्ययन)

(एम. ए. बी. जी. एस.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.बी.जी.-003 : कर्मसंन्यास-आत्मसंयम एवं ज्ञानविज्ञान

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

(ii) दोनों खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 15 = 60$

1. कर्मसंन्यास का अभिप्राय लिखिए।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

2. गीता में एकात्ममानववाद की अवधारणा का वर्णन कीजिए।

3. लोक व्यवहार और ज्ञान का वर्णन कीजिए।

4. जीवन में अभ्यास एवं वैराग्य के सिद्धान्तों का निरूपण कीजिए।

5. योग की परम्परा का वर्णन कीजिए।

6. मानसिक स्वास्थ्य का निरूपण कीजिए।

7. गीता के अनुसार 'व्यक्तित्व' का वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 10 = 40$

1. गीता के अनुसार क्रियाशील जीवन का वर्णन कीजिए।

2. मनसंयम के उपायों का उल्लेख कीजिए।

3. आत्मसंयम का अभिप्राय लिखिए।

4. व्यक्तित्व के निर्धारक तत्वों का उल्लेख कीजिए।

5. गीता के आधार पर अनुशासन का वर्णन कीजिए।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

6. मानसिक स्वास्थ्य प्रबन्धन में गीता की भूमिका लिखिए।

7. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :

ज्ञेयः स नित्यसंन्यासी यो न द्वेष्टि न कांक्षति।

निर्द्वन्द्वो हि महाबाहो! सुखं बन्धात्प्रमुच्यते॥

× × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com